TATA POWER RENEWABLE ENERGY

COVERAGE REPORT

Press Release:-

Tata Power Renewables' Neemuch RUMSL Solar Project Operates at 431 MWp, Capable of Powering Around 95% of Indore

TATA POWER RENEWABLE ENERGY

INDEX

Sr.No	Publication	Headline/Link
Print		
1	The Times of India	Tata Power Renewables' Neemuch RUMSL Solar Project Operates at 431 MWp, Capable of Powering Around 95% of Indore
2	Central Chronicle	Tata Power Renewables Commissions 431 MWp Solar Plant at Neemuch Under RUMSL, Capable of Powering Nearly 95% Of Indore City
3	Dainik Bhaskar	रोबोटिक प्रक्रिया से साफ होंगी सोलर प्लेटें, हर साल कम होगा 7.8 लाख टन सीओ$_2$ उत्सर्जन
4	Nav Bharat	बड़ी गांव में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना विकसित की
5	Dainik Jagran	नीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना का शुभारंभ
6	Raj Express	सालाना 9 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन संभव
7	Prajatantra	टाटा पावर रिन्यूएबल्स द्वारा संचालित नीमच सोलर प्रोजेक्ट की पीक क्षमता 431 मेगावाट
8	Indore Samachar	431 गीगावाट पीक क्षमता के साथ इंदौर की 95% ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में सक्षम
9	Neemuch Dunia	नीमच सौर परियोजना से सालाना 9 करोड़ यूनिट बिजली
10	Nai Vidya	हरित ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम – नीमच सौर परियोजना से सालाना 9 करोड़ यूनिट बिजली
11	Samayjagat	431 मेगावाट पीक क्षमता के साथ इंदौर की 95 प्रतिशत ऊर्जा ज़रूरतों को पूरा करने में सक्षम
12	Apni Duniya	टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने नीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना विकसित की

13	Samaygati	टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने नीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना विकसित की
14	Neemuch Duniya	नीमच सौर परियोजना से सालाना 9 करोड़ यूनिट बिजली – हरित ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम"
15	Awantika	टाटा पावर की नीमच में 431 मेगावाट सौर परियोजना पूरी
16	Dainik Nai Dunia	टाटा पावर की नीमच में 431 मेगावाट सौर परियोजना पूरी
17	Canon Times	हरित ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम - नीमच सौर परियोजना से सालाना 9 करोड़ यूनिट बिजली
Online		
18	Saur Energy	Neemuch: Tata Power Renewable Energy Commissions 431 MWp Solar Project
19	Solar Quarter	Tata Power Renewables Commissions 431 MWp Solar Plant At Neemuch Under RUMSL, Capable Of Powering Nearly 95% Of Indore City
20	Climate Samurai	Tata Power Powers MP: New 431 MWp Solar Project Lights Up Neemuch
21	Neemuch Prime Times	टाटा पावर रिन्यूएबल्स द्वारा संचालित नीमच RUMSL सोलर प्रोजेक्ट 431 मेगावाट पीक क्षमता के साथ इंदौर की 95% ऊर्जा जरूरतें को पूरा करने में सक्षम
22	Voice of MP	नीमच में टाटा पावर रिन्यूएबल्स का 431 मेगावाट पीक सोलर प्लांट शुरू, हर साल 7.8 लाख टन CO_2 उत्सर्जन में होगी कटौती, पढे अब्दुल अली ईरानी की खबर
Electronics		
23	Voice of MP (Youtube)	हरित क्रांति की ओर टाटा पावर- नीमच मे अत्याधुनिक मेगावाट पीक सोलर प्लांट की शुरूआत,उत्सर्जन मे कटौती

Total Coverage	**23**
Print	17
Online	05

TATA POWER RENEWABLE ENERGY

Publication	Edition	Headline
The Times of India	Indore	Tata Power Renewables' Neemuch RUMSL Solar Project Operates at 431 MWp, Capable of Powering Around 95% of Indore

Tata Power Renewables' Neemuch RUMSL Solar Project Operates at 431 MWp, Capable of Powering Around 95% of Indore

Tata Power Renewable Energy Limited (TPREL), a subsidiary of The Tata Power Company Limited and a leading player in India's renewable energy sector, developed a landmark 431 MWp DC solar power project at Neemuch, Madhya Pradesh. This large-scale development represents a significant step forward in advancing the country's renewable energy capacity and low-carbon infrastructure.

A key technical highlight is the use of a combination of single-axis trackers and bifacial glass to glass modules, enabling better solar yield by tracking the sun's movement and capturing reflected light from the ground, thereby increasing the efficiency by at least 15%. The project was executed under the "Solutions for Power Producer" category and completed within a span of 17 months.

- Offsets 7.8 lakh tonnes of CO_2 emissions annually
- Uses a combination of single axis tracker and bi-facial glass to glass module, which increases the efficiency

TATA POWER RENEWABLE ENERGY

Publication	Edition	Headline
Central Chronicle	Indore	Tata Power Renewables Commissions 431 MWp Solar Plant at Neemuch Under RUMSL, Capable of Powering Nearly 95% Of Indore City

Tata Power Renewables' Neemuch RUMSL Solar Project Operates at 431 MWp, Capable of Powering Around 95% of Indore

Neemuch/Indore: Tata Power Renewable Energy Limited (TPREL), a subsidiary of The Tata Power Company Limited and a leading player in India's renewable energy sector, developed a landmark 431 MWp DC solar power project at Neemuch, Madhya Pradesh. This large-scale development represents a significant step forward in advancing the country's renewable energy capacity and low-carbon infrastructure.

A key technical highlight is the use of a combination of single-axis trackers and bifacial glass to glass modules, enabling better solar yield by tracking the sun's movement and capturing reflected light from the ground, thereby increasing the efficiency by at least 15%. The project was executed under the "Solutions for Power Producer" category and completed within a span of 17 months.

This colossal and cutting-edge project boasts the capacity to generate close to 9 crore units of electricity, enough to meet the energy needs of around 95% of Indore, and stands as an example of scale and technological prowess driving the region's sustainable power future.

The installation spans 2,000 acres and incorporates 765,408 bifacial glass-to-glass solar modules. The plant has been designed with a DC capacity of 431 MWp and an AC output of 330 MW, optimized for high-efficiency energy conversion and system performance.

The project marks a significant step in India's energy transition, enabling clean electricity supply to Western Central Railways and Madhya Pradesh Power Management Company Limited (MPPMCL). It is expected to offset 7,80,300 tonnes of CO? emissions annually, supporting India's commitment to achieving 500 GW of non-fossil fuel capacity by 2030.

The Neemuch solar project further strengthens TPREL's leadership in delivering high-performance renewable energy solutions for India's low-carbon future.

TATA POWER RENEWABLE ENERGY

Publication	Edition	Headline
Dainik Bhaskar	Indore	रोबोटिक प्रक्रिया से साफ होंगी सोलर प्लेटें, हर साल कम होगा 7.8 लाख टन सीओ$_2$ उत्सर्जन

रोबोटिक प्रक्रिया से साफ होंगी सोलर प्लेटें, हर साल कम होगा 7.8 लाख टन सीओटू उत्सर्जन

हरित ऊर्जा क्षमता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

भास्कर संवाददाता | नीमच

निजी कंपनी ने मध्यप्रदेश के नीमच में 330 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजना विकसित की है। यह देश की हरित ऊर्जा क्षमता को बढ़ावा देने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यही नहीं प्लांट में लगी 7,65,408 सोलर पैनल (प्लेटें) रोबोटिक प्रक्रिया से साफ होंगी। यानी उन्हें साफ करने के लिए मानव की जरूरत नहीं होगी। ग्लास को रोबोटिक तरीके से साफ किया जाएगा।

यह बात कंपनी के जोनल हैड बिनोय कलारिया ने मीडिया से चर्चा में कही। उन्होंने बताया कि इस परियोजना में सिंगल-एक्सिस ट्रैकर और बाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास सोलर मॉड्यूल का इस्तेमाल किया है। ये मॉड्यूल सूरज की दिशा को ट्रैक करता है और जमीन से वापस आने वाली रोशनी को भी उपयोग में लेता है। प्रोजेक्ट को 'सॉल्यूशन्स फॉर पावर प्रोड्यूसर' कैटेगरी में शामिल किया था। इसे 17 महीनों के भीतर पूरा कर लिया गया। इस परियोजना से हर साल लगभग 7,80,300 टन CO_2 उत्सर्जन में कमी आने की उम्मीद है। यह भारत के 2030 तक 500 गीगावाट गैर-पारंपरिक ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लक्ष्य को समर्थन देता है। नीमच सौर परियोजना TPREL की नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में नेतृत्व और भारत के कम-कार्बन भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

TATA POWER RENEWABLE ENERGY

Publication	Edition	Headline
Nav Bharat	Indore	बड़ी गांव में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना विकसित की

बड़ी गांव में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना विकसित की

▶ सिंगल एक्सिस ट्रैकर और बाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास मॉड्यूल की आधुनिक तकनीक से यह प्रोजेक्ट कम से कम 15त्न अधिक प्रभावशाली बनता है

नवभारत न्यूज़
चैनसिंह सोलंकी

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (TPREL), जो टाटा पावर कंपनी लिमिटेड की एक सहायक कंपनी है और भारत के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है, ने मध्य प्रदेश के नीमच जिले के सिंगोली तहसील के बड़ी गांव में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना विकसित की है। यह परियोजना देश की हरित ऊर्जा क्षमता को बढ़ावा देने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में एक अहम कदम है।

इस परियोजना की खास बात यह है कि इसमें सिंगल-एक्सिस ट्रैकर और बाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास सोलर मॉड्यूल का इस्तेमाल किया गया है, जो सूरज की दिशा को ट्रैक करते हैं और ज़मीन से वापस आने वाली रोशनी को भी उपयोग में लेते हैं। इससे बिजली उत्पादन में कम से कम 15त्न की बढ़ोतरी होती है। यह प्रोजेक्ट %सॉल्यूशन्स फॉर पावर प्रोड्यूसर% कैटेगरी में शामिल था और इसे 17 महीनों के भीतर पूरा कर लिया गया।

यह अत्याधुनिक और विशाल परियोजना लगभग 9 करोड़ यूनिट बिजली उत्पन्न करने की क्षमता रखती है, जो इंदौर की लगभग 95त्न जनसंख्या की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। यह परियोजना क्षेत्र में सतत ऊर्जा भविष्य को साकार करने की दिशा में स्केल और तकनीकी दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

यह सोलर प्लांट 2,000 एकड़ में फैला है और इसमें 7,65,408 बाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास सोलर पैनल लगाए गए हैं। इसकी DC क्षमता 431 मेगावाट पीक है और ष्ट आउटपुट 330 मेगावाट है, जिसे बेहतर ऊर्जा रूपांतरण और प्रदर्शन के लिए तैयार किया गया है। यह प्रोजेक्ट भारत के ऊर्जा बदलाव की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो पश्चिम मध्य रेलवे और मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी को साफ-सुथरी बिजली उपलब्ध कराएगा। इससे हर साल लगभग 7,80,300 टन ष्टह्न, उत्सर्जन में कमी आने की उम्मीद है, जो भारत के 2030 तक 500 गीगावाट गैर-पारंपरिक ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लक्ष्य को समर्थन देता है।

> नीमच सौर परियोजना TPREL की नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में नेतृत्व और भारत के कम-कार्बन भविष्य के निर्माण में उनके योगदान को और अधिक सशक्त बनाती है। टाटा पावर के यूनिट दो के स्टेशन हेड गौतम करेलिया ने जानकारी देते हुए बताया की की कम्पनी बड़ी कवई थारोद भीलो का खेड़ा गावों में शिक्षा स्वास्थ्य मुलभुत सुविधाओं हेतु स्वस्थ्य केम्प स्कुल में फर्नीचर पिने के पानी की साफ स्वच्छ व्यबस्था की गयी हे जिससे ग्रामवसियो के जीवन में काफ़ी परिवर्तन हुआ हे

Publication	Edition	Headline
Dainik Jagran	Indore	नीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना का शुभारंभ

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी ने नीमच में सौर परियोजना विकसित की

नीमच। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड जो टाटा पावर कंपनी लिमिटेड की एक सहायक कंपनी है और भारत के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है, ने मध्य प्रदेश के नीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना विकसित की है। यह परियोजना देश की हरित ऊर्जा क्षमता को बढ़ावा देने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में एक अहम कदम है। इस परियोजना की खास बात यह है कि इसमें सिंगल-एक्सिस ट्रैकर औरबाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास सोलर मॉड्यूल का इस्तेमाल किया गया है, जो सूरज की दिशा को ट्रैक करते हैं और ज़मीन से वापस आने वाली रोशनीको भी उपयोग में लेते हैं। इससे बिजली उत्पादन में कम से कम 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी होती है। यह प्रोजेक्ट सॉल्यूशन्स फॉर पावर प्रोड्यूसर कैटेगरी में शामिल था और इसे 17 महीनों के भीतर पूरा कर लिया गया।

TATA POWER RENEWABLE ENERGY

Publication	Edition	Headline
Raj Express	Indore	सालाना 9 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन संभव

एक नई दिशा

हरित ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम, नीमच सौर परियोजना से...

सालाना 9 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन संभव

नीमच की 431 मेगावाट सौर परियोजना, देश की अक्षय ऊर्जा क्षमता को नई गति

● जावद / राज न्यूज नेटवर्क

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने नीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता वाली अत्याधुनिक सौर ऊर्जा परियोजना का निर्माण कर भारत के स्वच्छ ऊर्जा मिशन को एक नई दिशा दी है। यह प्रोजेक्ट न केवल इंदौर शहर की 95 प्रतिशत ऊर्जा जरूरतें पूरी करने में सक्षम है, बल्कि हर वर्ष लगभग 7.8 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को भी रोकता है।यह सौर परियोजना लगभग 2,000 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है, जिसमें 7,65,408 बाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास सोलर पैनल लगाए गए हैं।

इन पैनलों में सिंगल एक्सिस ट्रैकर तकनीक का उपयोग किया गया है, जो सूरज की दिशा के अनुसार स्वयं को समायोजित कर अधिकतम प्रकाश को संग्रहित करते हैं। इस अत्याधुनिक तकनीक के कारण बिजली उत्पादन में कम से कम 15व तक की वृद्धि दर्ज की गई है। 17 महीनों की रिकॉर्ड समयावधि में पूर्ण हुई यह परियोजना 'सॉल्यूशन्स फॉर पावर प्रोड्यूसर' कैटेगरी का हिस्सा है। इसका डीसी आउटपुट 431 मेगावाट पीक और एसी आउटपुट 330 मेगावाट है, जिससे सालाना लगभग 9 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन संभव हो पाया है।

यह परियोजना प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरी

यह ऊर्जा पश्चिम मध्य रेलवे और मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी को भी उपलब्ध कराई जाएगी। यह परियोजना न सिर्फ प्रदेश बल्कि देशभर में अक्षय ऊर्जा उत्पादन की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरी है। भारत के 2030 तक 500 गीगावाट गैर-पारंपरिक ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य को साकार करने में नीमच सोलर प्रोजेक्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। टाटा पावर का यह प्रयास भारत के कम-कार्बन भविष्य के निर्माण और सतत विकास के मार्ग पर एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

TATA POWER RENEWABLE ENERGY

Publication	Edition	Headline
Prajatantra	Indore	टाटा पावर रिन्यूएबल्स द्वारा संचालित नीमच सोलर प्रोजेक्ट की पीक क्षमता 431 मेगावाट

टाटा पावर रिन्यूएबल्स द्वारा संचालित नीमच सोलर प्रोजेक्ट की पीक क्षमता 431 मेगावाट

प्रजातंत्र संवाददाता | नीमच

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड(TPREL), जो टाटा पावर कंपनी लिमिटेड की एक सहायक कंपनी है और भारत के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है, ने मध्य प्रदेश केनीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना विकसित की है। यहपरियोजना देश की हरित ऊर्जा क्षमता को बढ़ावा देने और कार्बन उत्सर्जनको कम करने की दिशा में एक अहम कदम है।

इस परियोजना की खास बात यह है कि इसमें सिंगल-एक्सिस ट्रैकर औरबाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास सोलर मॉड्यूल का इस्तेमाल किया गया है, जो सूरज की दिशा को ट्रैक करते हैं और ज़मीन से वापस आने वाली रोशनीको भी उपयोग में लेते हैं। इससे बिजली उत्पादन में कम से कम 15% कीबढ़ोतरी होती है। यह प्रोजेक्ट 'सॉल्यूशन्स फॉर पावर प्रोड्यूसर' कैटेगरी मेंशामिल था और इसे 17 महीनों के भीतर पूरा कर लिया गया। यह

अत्याधुनिक और विशाल परियोजना लगभग 9 करोड़ यूनिट बिजलीउत्पन्न करने की क्षमता रखती है, जो इंदौर की लगभग 95% जनसंख्या कीऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। यह परियोजना क्षेत्रमें सतत ऊर्जा भविष्य को साकार करने की दिशा में स्केल और तकनीकीदक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह सोलर प्लांट 2,000 एकड़ में फैला है।

TATA POWER RENEWABLE ENERGY

Publication	Edition	Headline
Indore Samachar	Indore	431 गीगावाट पीक क्षमता के साथ इंदौर की 95% ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में सक्षम

शुभारंभ टाटा पावर रिन्यूएबल्स द्वारा संचालित नीमच RUMSL सोलर प्रोजक्ट

431 गावाट पीक क्षमता के साथ इंदौरकी 95% ऊर्जा ज़रूरतें को पूरा करने में सक्षम

- हर साल 7.8 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) के उत्सर्जन कोरोकता है
- सिंगल एक्सिस ट्रैकर और बाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास मॉड्यूल कीआधुनिक तकनीक से यह प्रोजेक्ट कम से कम 15% अधिकप्रभावशाली बनता है

नीमच, जुलाई 24, 2025: टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड(TPREL), जो टाटा पावर कंपनी लिमिटेड की एक सहायक कंपनी है औरभारत के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है, ने मध्य प्रदेश केनीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना विकसित की है। यहपरियोजना देश की हरित ऊर्जा क्षमता को बढ़ावा देने और कार्बन उत्सर्जनको कम करने की दिशा में एक अहम कदम है।

इस परियोजना की खास बात यह है कि इसमें सिंगल-एक्सिस ट्रैकर औरबाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास सोलर मॉड्यूल का इस्तेमाल किया गया है, जो सूरज की दिशा को ट्रैक करते है और ज़मीन से वापस आने वाली रोशनीको भी उपयोग में लेते है। इससे बिजली उत्पादन में कम से कम 15% कीबढ़ोतरी होती है। यह प्रोजेक्ट सॉल्यूशन्स फॉर पावर प्रोड्यूसर कैटेगरी मेंशामिल था और इसे 17 महीनों के भीतर पूरा कर लिया गया।

यह अत्याधुनिक और विशाल परियोजना लगभग 9 करोड़ यूनिट बिजलीउत्पन्न करने की क्षमता रखती है, जो इंदौर की लगभग 95% जनसंख्या कीऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। यह परियोजना क्षेत्रमें सतत ऊर्जा भविष्य को साकार करने की दिशा में स्केल और तकनीकीदक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

यह सोलर प्लांट 2,000 एकड़ में फैला है और इसमें 7,65,408बाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास सोलर पैनल लगाए गए है। इसकी DC क्षमता431 मेगावाट पीक है और AC आउटपुट 330 मेगावाट है, जिसे बेहतर ऊर्जारूपांतरण और प्रदर्शन के लिए तैयार किया गया है।

यह प्रोजेक्ट भारत के ऊर्जा बदलाव की दिशा में एक बड़ा कदम है, जोपश्चिम मध्य रेलवे और मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी को साफ-सुथरीबिजली उपलब्ध कराएगा। इससे हर साल लगभग 7,80,300 टन CO_2 उत्सर्जन में कमी आने की उम्मीद है, जो भारत के 2030 तक 500 गीगावाटगैर-पारंपरिक ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लक्ष्य को समर्थन देता है।

नीमच सौर परियोजना TPREL की नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में नेतृत्व औरभारत के कम-कार्बन भविष्य के निर्माण में उनके योगदान को और अधिकसशक्त बनाती है।

Publication	Edition	Headline
Neemuch Dunia	Indore	नीमच सौर परियोजना से सालाना 9 करोड़ यूनिट बिजली

हरित ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम

नीमच सौर परियोजना से सालाना 9 करोड़ यूनिट बिजली

नीमच की 431 मेगावाट सौर परियोजना, देश की अक्षय ऊर्जा क्षमता को नई गति

नीमच दुनिया नीमच। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (TPREL) ने नीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता वाली अत्याधुनिक सौर ऊर्जा परियोजना का निर्माण कर भारत के स्वच्छ ऊर्जा मिशन को एक नई दिशा दी है। यह प्रोजेक्ट न केवल इंदौर शहर की 95% ऊर्जा जरूरतें पूरी करने में सक्षम है, बल्कि हर वर्ष लगभग 7.8 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड (CO) उत्सर्जन को भी रोकता है। यह सौर परियोजना लगभग 2,000 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है, जिसमें 7,65,408 बाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास सोलर पैनल लगाए गए हैं। इन पैनलों में सिंगल एक्सिस ट्रैकर तकनीक का उपयोग किया गया है, जो सूरज की दिशा के अनुसार स्वयं को समायोजित कर अधिकतम प्रकाश को संग्रहित करते हैं। इस अत्याधुनिक तकनीक के कारण बिजली उत्पादन में कम से कम 15% तक की वृद्धि दर्ज की गई है। 17 महीनों की रिकॉर्ड समयावधि में पूर्ण हुई यह परियोजना 'सॉल्यूशन्स फॉर पावर प्रोड्यूसर' कैटेगरी का हिस्सा है। इसका डीसी आउटपुट 431 मेगावाट पीक और एसी आउटपुट 330 मेगावाट है, जिससे सालाना लगभग 9 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन संभव हो पाया है। यह ऊर्जा पश्चिम मध्य रेलवे और मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी को भी उपलब्ध कराई जाएगी। यह परियोजना न सिर्फ प्रदेश बल्कि देशभर में अक्षय ऊर्जा उत्पादन की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरी है। भारत के 2030 तक 500 गीगावाट गैर-पारंपरिक ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य को साकार करने में नीमच सोलर प्रोजेक्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। TPREL का यह प्रयास भारत के कम-कार्बन भविष्य के निर्माण और सतत विकास के मार्ग पर एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

नीमच में टाटा पावर की 431 मेगावाट सौर परियोजना से इंदौर को 95% स्वच्छ ऊर्जा, हर साल बचेगा 7.8 लाख टन CO उत्सर्जन

बाई-फेशियल तकनीक से सुसज्जित नीमच सोलर प्रोजेक्ट, बिजली उत्पादन में 15% ज्यादा असरदार। नीमच दुनिया

TATA POWER RENEWABLE ENERGY

Publication	Edition	Headline
Nai Vidya	Indore	हरित ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम – नीमच सौर परियोजना से सालाना 9 करोड़ यूनिट बिजली

हरित ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम – नीमच सौर परियोजना से सालाना 9 करोड़ यूनिट बिजली

जावद 24 जुलाई (निप्र) ।टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (TPREL) ने नीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता वाली अत्याधुनिक सौर ऊर्जा परियोजना का निर्माण कर भारत के स्वच्छ ऊर्जा मिशन को एक नई दिशा दी है। यह प्रोजेक्ट न केवल इंदौर शहर की 95% ऊर्जा जरूरतें पूरी करने में सक्षम है, बल्कि हर वर्ष लगभग 7.8 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड (CO) उत्सर्जन को भी रोकता है।

यह सौर परियोजना लगभग 2,000 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है, जिसमें 7,65,408 बाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास सोलर पैनल लगाए गए हैं। इन पैनलों में सिंगल एक्सिस ट्रैकर तकनीक का उपयोग किया गया है, जो सूरज की दिशा के अनुसार स्वयं को समायोजित कर अधिकतम प्रकाश को संग्रहित करते हैं। इस अत्याधुनिक तकनीक के कारण बिजली उत्पादन में कम से कम 15% तक की वृद्धि दर्ज की गई है।

नीमच की 431 मेगावाट सौर परियोजना, देश की अक्षय ऊर्जा क्षमता को नई गति

नीमच में टाटा पावर की 431 मेगावाट सौर परियोजना से इंदौर को 95% स्वच्छ ऊर्जा, हर साल बचेगा 7.8 लाख टन CO उत्सर्जन

17 महीनों की रिकॉर्ड समयावधि में पूर्ण हुई यह परियोजना 'सॉल्यूशन्स फॉर पावर प्रोड्यूसर' कैटेगरी का हिस्सा है। इसका डीसी आउटपुट 431 मेगावाट पीक और एसी आउटपुट 330 मेगावाट है, जिससे सालाना लगभग 9 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन संभव हो पाया है। यह ऊर्जा पश्चिम मध्य रेलवे और मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी को भी उपलब्ध कराई जाएगी।यह परियोजना न सिर्फ प्रदेश बल्कि देशभर में अक्षय ऊर्जा उत्पादन की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरी है। भारत के 2030 तक 500 गीगावाट गैर-पारंपरिक ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य को साकार करने में नीमच सोलर प्रोजेक्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। टाटा पावर का यह प्रयास भारत के कम-कार्बन भविष्य के निर्माण और सतत विकास के मार्ग पर एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

Publication	Edition	Headline
Samayjagat	Indore	नीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना का शुभारंभ

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने नीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना विकसित की

नीमच। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड, जो टाटा पावर कंपनी लिमिटेड की एक सहायक कंपनी है औरभारत के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है, ने मध्य प्रदेश केनीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना विकसित की है। यहपरियोजना देश की हरित ऊर्जा क्षमता को बढ़ावा देने और कार्बन उत्सर्जनको कम करने की दिशा में एक अहम कदम है। इस परियोजना की खास बात यह है कि इसमें सिंगल-एक्सिस ट्रैकर औरबाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास सोलर मॉड्यूल का इस्तेमाल किया गया है, जो सूरज की दिशा को ट्रैक करते हैं और ज़मीन से वापस आने वाली रोशनीको भी उपयोग में लेते हैं। इससे बिजली उत्पादन में कम से कम 15 फीसदी की बढ़ोतरी होती है। यह प्रोजेक्ट सॉल्यूशन्स फॉर पावर प्रोड्यूसर कैटेगरी मेंशामिल था और इसे 17 महीनों के भीतर पूरा कर लिया गया। यह अत्याधुनिक और विशाल परियोजना लगभग 9 करोड़ यूनिट बिजलीउत्पन्न करने की क्षमता रखती है, जो इंदौर की लगभग 95फीसदी जनसंख्या कीऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

Publication	Edition	Headline
Apni Duniya	Indore	टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने नीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना विकसित की

टाटा पावर रिन्यूएबल्स द्वारा संचालित नीमच आरयूएमएसएल सोलर प्रोजेक्ट 431 मेगावाट पीक क्षमता के साथ इंदौर की 95प्र. ऊर्जा ज़रूरतें को पूरा करने में सक्षम

नीमच। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड , जो टाटा पावर कंपनी लिमिटेड की एक सहायक कंपनी है और भारत के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है, ने मध्य प्रदेश के नीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना विकसित की है। यह परियोजना देश की हरित ऊर्जा क्षमता को बढ़ावा देने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में एक अहम कदम है। इस परियोजना की खास बात यह है कि इसमें सिंगल-एक्सिस ट्रैकर और बाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास सोलर मॉड्यूल का इस्तेमाल किया गया है, जो सूरज की दिशा को ट्रैक करते हैं और ज़मीन से वापस आने वाली रोशनी को भी उपयोग में लेते हैं। इससे बिजली उत्पादन में कम से कम 15प्र. की बढ़ोतरी होती है। यह प्रोजेक्ट 'सॉल्यूशन्स फॉर पावर प्रोड्यूसर' कैटेगरी में शामिल था और इसे 17 महीनों के भीतर पूरा कर लिया गया। यह सोलर प्लांट 2,000 एकड़ में फैला है और इसमें 7,65,408 बाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास सोलर पैनल लगाए गए हैं। इसकी डीसी क्षमता 431 मेगावाट पीक है और एसी आउटपुट 330 मेगावाट है, जिसे बेहतर ऊर्जा रूपांतरण और प्रदर्शन के लिए तैयार किया गया है। इससे हर साल लगभग 7,80,300 टन सीओ2 उत्सर्जन में कमी आने की उम्मीद है, जो भारत के 2030 तक 500 गीगावाट गैर-पारंपरिक ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लक्ष्य को समर्थन देता है।

माइक चेक और दिमाग़ हिला देने वाला धमाका- जब पॉडकास्टर्स बने पॅनेलिस्ट

TATA POWER RENEWABLE ENERGY

Publication	Edition	Headline
Samaygati	Indore	टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने नीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना विकसित की

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने नीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना विकसित की

नीमच। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड, जो टाटा पावर कंपनी लिमिटेड की एक सहायक कंपनी है औरभारत के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है, ने मध्य प्रदेश केनीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना विकसित की है। यहपरियोजना देश की हरित ऊर्जा क्षमता को बढ़ावा देने और कार्बन उत्सर्जनको कम करने की दिशा में एक अहम कदम है। इस परियोजना की खास बात यह है कि इसमें सिंगल-एक्सिस ट्रैकर औरबाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास सोलर मॉड्यूल का इस्तेमाल किया गया है, जो सूरज की दिशा को ट्रैक करते हैं और ज़मीन से वापस आने वाली रोशनीको भी उपयोग में लेते हैं। इससे बिजली उत्पादन में कम से कम 15 फीसदी की बढ़ोतरी होती है। यह प्रोजेक्ट सॉल्यूशन्स फॉर पावर प्रोड्यूसर कैटेगरी मेंशामिल था और इसे 17 महीनों के भीतर पूरा कर लिया गया। यह अत्याधुनिक और विशाल परियोजना लगभग 9 करोड़ यूनिट बिजलीउत्पन्न करने की क्षमता रखती है, जो इंदौर की लगभग 95फीसदी जनसंख्या कीऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

TATA POWER RENEWABLE ENERGY

Publication	Edition	Headline
Neemuch Duniya	Indore	नीमच सौर परियोजना से सालाना 9 करोड़ यूनिट बिजली – हरित ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम"

हरित ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम

नीमच सौर परियोजना से सालाना 9 करोड़ यूनिट बिजली

नीमच की 431 मेगावाट सौर परियोजना, देश की अक्षय ऊर्जा क्षमता को नई गति

नीमच दुनिया नीमच। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (TPREL) ने नीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता वाली अत्याधुनिक सौर ऊर्जा परियोजना का निर्माण कर भारत के स्वच्छ ऊर्जा मिशन को एक नई दिशा दी है। यह प्रोजेक्ट न केवल इंदौर शहर की 95% ऊर्जा जरूरतें पूरी करने में सक्षम है, बल्कि हर वर्ष लगभग 7.8 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड (CO) उत्सर्जन को भी रोकता है। यह सौर परियोजना लगभग 2,000 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है, जिसमें 7,65,408 बाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास सोलर पैनल लगाए गए हैं। इन पैनलों में सिंगल एक्सिस ट्रैकर तकनीक का उपयोग किया गया है, जो सूरज की दिशा के अनुसार स्वयं को समायोजित कर अधिकतम प्रकाश को संग्रहित करते हैं। इस अत्याधुनिक तकनीक के कारण बिजली उत्पादन में कम से कम 15% तक की वृद्धि दर्ज की गई है। 17 महीनों की रिकॉर्ड समयावधि में पूर्ण हुई यह परियोजना 'सॉल्यूशन्स फॉर पावर प्रोड्यूसर' कैटेगरी का हिस्सा है। इसका डीसी आउटपुट 431 मेगावाट पीक और एसी आउटपुट 330 मेगावाट है, जिससे सालाना लगभग 9 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन संभव हो पाया है। यह ऊर्जा पश्चिम मध्य रेलवे और मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी को भी उपलब्ध कराई जाएगी। यह परियोजना न सिर्फ प्रदेश बल्कि देशभर में अक्षय ऊर्जा उत्पादन की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरी है। भारत के 2030 तक 500 गीगावाट गैर-पारंपरिक ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य को साकार करने में नीमच सोलर प्रोजेक्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। TPREL का यह प्रयास भारत के कम-कार्बन भविष्य के निर्माण और सतत विकास के मार्ग पर एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

नीमच में टाटा पावर की 431 मेगावाट सौर परियोजना से इंदौर को 95% स्वच्छ ऊर्जा, हर साल बचेगा 7.8 लाख टन CO उत्सर्जन

बाई-फेशियल तकनीक से सुसज्जित नीमच सोलर प्रोजेक्ट, बिजली उत्पादन में 15% ज्यादा असरदार। नीमच दुनिया

TATA POWER RENEWABLE ENERGY

Publication	Edition	Headline
Awantika	Indore	टाटा पावर की नीमच में 431 मेगावाट सौर परियोजना पूरी

नीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना का शुभारंभ

दैनिक अवन्तिका » नीमच

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (TPREL), जो टाटा पावर कंपनी लिमिटेड की एक सहायक कंपनी है और भारत के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है, ने मध्य प्रदेश के नीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना विकसित की है। यह परियोजना देश की हरित ऊर्जा क्षमता को बढ़ावा देने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में एक अहम कदम है।

इस परियोजना की खास बात यह है कि इसमें सिंगल-एक्सिस ट्रैकर और बाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास सोलर मॉड्यूल का इस्तेमाल किया गया है, जो सूरज की दिशा को ट्रैक करते हैं और जमीन से वापस आने वाली रोशनी को भी उपयोग में लेते हैं। इससे बिजली उत्पादन में कम से कम 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी होती है। यह प्रोजेक्ट 'सॉल्यूशन्स फॉर पावर प्रोड्यूसर' कैटेगरी में शामिल था और इसे 17 महीनों के भीतर पूरा कर लिया गया।

यह अत्याधुनिक और विशाल परियोजना लगभग 9 करोड़ यूनिट बिजली उत्पन्न करने की क्षमता रखती है, जो इंदौर की लगभग 95 प्रतिशत जनसंख्या की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। यह परियोजना क्षेत्र में सतत ऊर्जा भविष्य को साकार करने की दिशा में स्केल और तकनीकी दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

यह सोलर प्लांट 2 हजार एकड़ में फैला है और इसमें 7,65,408 बाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास सोलर पैनल लगाए गए हैं। इसकी DC क्षमता 431 मेगावाट पीक है और AC आउटपुट 330 मेगावाट है, जिसे बेहतर ऊर्जा रूपांतरण और प्रदर्शन के लिए तैयार किया गया है।

यह प्रोजेक्ट भारत के ऊर्जा बदलाव की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो पश्चिम मध्य रेलवे और मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी को साफ-सुथरी बिजली उपलब्ध कराएगा। इससे हर साल लगभग 7,80,300 टन सीओ उत्सर्जन में कमी आने की उम्मीद है, जो भारत के 2030 तक 500 गीगावाट गैर-पारंपरिक ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लक्ष्य को समर्थन देता है।

नीमच सौर परियोजना TPREL की नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में नेतृत्व और भारत के कम-कार्बन भविष्य के निर्माण में उनके योगदान को और अधिक सशक्त बनाती है।

TATA POWER RENEWABLE ENERGY

Publication	Edition	Headline
Dainik Nai Dunia	Indore	टाटा पावर की नीमच में 431 मेगावाट सौर परियोजना पूरी

टाटा पावर की नीमच में 431 मेगावाट सौर परियोजना पूरी

भोपाल। टीपीआरईएल ने मध्य प्रदेश के नीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता की अत्याधुनिक सौर परियोजना सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। यह परियोजना इंदौर की लगभग 95 प्रतिशत ऊर्जा ज़रूरतों को पूरा करने में सक्षम है और हर साल करीब 7.8 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को रोकने में मदद करेगी। इस परियोजना में 7.65 लाख बाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास सोलर पैनल लगाए गए हैं। सिंगल-एक्सिस ट्रैकर तकनीक की मदद से बिजली उत्पादन में लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि हासिल हुई है। यह संयंत्र प्रति वर्ष लगभग 9 करोड़ यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा।

TATA POWER RENEWABLE ENERGY

Publication	Edition	Headline
Canon Times	Indore	हरित ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम - नीमच सौर परियोजना से सालाना 9 करोड़ यूनिट बिजली

हरित ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम- नीमच सौर परियोजना से सालाना 9 करोड़ यूनिट बिजली

नीमच की 431 मेगावाट सौर परियोजना, देश की अक्षय ऊर्जा क्षमता को नई गति

Canon Times, Bureau

जावद। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने नीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता वाली अत्याधुनिक सौर ऊर्जा परियोजना का निर्माण कर भारत के स्वच्छ ऊर्जा मिशन को एक नई दिशा दी है। यह प्रोजेक्ट न केवल इंदौर शहर की 95 प्रतिशत ऊर्जा जरूरतें पूरी करने में सक्षम है, बल्कि हर वर्ष लगभग 7.8 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को भी रोकता है।

यह सौर परियोजना लगभग 2,000 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है, जिसमें 7,65,408 बाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास सोलर पैनल लगाए गए हैं। इन पैनलों में सिंगल एक्सिस ट्रैकर तकनीक का उपयोग किया गया है, जो सूरज की दिशा के अनुसार स्वयं को समायोजित कर अधिकतम प्रकाश को संग्रहित करते हैं। इस अत्याधुनिक तकनीक के कारण बिजली उत्पादन में कम से कम 15त्न तक की वृद्धि दर्ज की गई है।

17 महीनों की रिकॉर्ड समयावधि में पूर्ण हुई यह परियोजना 'सॉल्यूशन्स फॉर पावर प्रोड्यूसर' कैटेगरी का हिस्सा है। इसका डीसी आउटपुट 431 मेगावाट पीक और एसी आउटपुट 330 मेगावाट है, जिससे सालाना लगभग 9 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन संभव हो पाया है। यह ऊर्जा पश्चिम मध्य रेलवे और मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी को भी उपलब्ध कराई जाएगी।

यह परियोजना न सिर्फ प्रदेश बल्कि देशभर में अक्षय ऊर्जा उत्पादन की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरी है। भारत के 2030 तक 500 गीगावाट गैर-पारंपरिक ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य को साकार करने में नीमच सोलर प्रोजेक्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

टाटा पावर का यह प्रयास भारत के कम-कार्बन भविष्य के निर्माण और सतत विकास के मार्ग पर एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

TATA POWER RENEWABLE ENERGY

Publication	Headline
Saur Energy	[Neemuch: Tata Power Renewable Energy Commissions 431 MWp Solar Project]

SAUR ENERGY INTERNATIONAL

HOME NEWS EVENTS ENERGY JOBS SUBSCRIBE

News Solar

Neemuch: Tata Power Renewable Energy Commissions 431 MWp Solar Project

Offsets 7.8 lakh tonnes of CO_2 emissions annually Uses a combination of a single-axis tracker and a bi-facial glass-to-glass module, which increases the efficiency by at least 15%

Chitrika Grover
24 Jul 2025 18:21 IST

Follow Us

TPREL Neemuch RUMSL Solar Project

Tata Power Renewable Energy Limited (TPREL), a subsidiary of The Tata Power Company, developed a 431 MWp DC solar project at Neemuch, Madhya Pradesh, said the company.TATA Power used a combination of single-axis trackers and bifacial glass-to-glass modules in this project. This tracker would enable better solar yield by tracking the sun's movement and capturing reflected light from the ground. Using this tracker would thereby increase the efficiency of the project by at least 15%, the company elaborated.

Publication	Headline
Solar Quarter	Tata Power Renewables Commissions 431 MWp Solar Plant At Neemuch Under RUMSL, Capable Of Powering Nearly 95% Of Indore City

SOLARQUARTER
ENGAGING. ENRICHING.

HOME NEWS TALKS INSIGHTS FEATURED TECH PUBLICATIONS EVENTS SUBSCRIBE

Tata Power Renewables Commissions 431 MWp Solar Plant At Neemuch Under RUMSL, Capable Of Powering Nearly 95% Of Indore City

By S.S. Dev - 25th July 2025

Share

Tata Power Renewable Energy Limited (TPREL), a subsidiary of The Tata Power Company Limited and a key player in India's clean energy landscape, has successfully developed a major 431 MWp DC solar power project in Neemuch, Madhya Pradesh. This large-scale initiative is a significant contribution to India's expanding renewable energy capacity and low-carbon infrastructure goals.

TATA POWER RENEWABLE ENERGY

Publication	**Headline**
Climate Samurai	Tata Power Powers MP: New 431 MWp Solar Project Lights Up Neemuch

CLIMATE SAMURAI

HOME SOLAR WIND ELECTRIC VEHICLES CLIMATE INDUSTRY SPEAKS DIRECT INNOVATION VIDEOS HYDRO & BIOFUELS MORE CONTACT

Follow us on Google News

Tata Power Powers MP: New 431 MWp Solar Project Lights Up Neemuch

We360.ai

We360 tracks employee activity and time with razor sharp accuracy.

July 24, 2025 by Nancy

Facebook Tweet LinkedIn Email

India's renewable energy ambitions get a massive boost with TPREL's state-of-the-art solar plant, set to power 95% of Indore and slash CO2 emissions.

Tata Power Renewable Energy Limited (TPREL), a subsidiary of The Tata Power Company Limited, has announced the successful commissioning of its monumental 431 MWp DC solar power project in Neemuch, Madhya Pradesh.

This significant achievement marks a major leap forward in India's drive towards a sustainable and low-carbon energy future, bolstering the nation's renewable energy capacity.

Completed in just 17 months under the "Solutions for Power Producer" category, the Neemuch solar plant is a testament to advanced renewable energy technology.

TATA POWER RENEWABLE ENERGY

Publication	Headline
Neemuch Prime Times	[टाटा पावर रिन्यूएबल्स द्वारा संचालित नीमच RUMSL सोलर प्रोजेक्ट 431 मेगावाट पीक क्षमता के साथ इंदौर की 95% ऊर्जा जरूरतें को पूरा करने में सक्षम]

शहर देश

टाटा पावर रिन्यूएबल्स द्वारा संचालित नीमच RUMSL सोलर प्रोजेक्ट 431 मेगावाट पीक क्षमता के साथ इंदौर की 95% ऊर्जा ज़रूरतें को पूरा करने में सक्षम

*हर साल 7.8 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) के उत्सर्जन को रोकता है • सिंगल एक्सिस ट्रैकर और बाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास मॉड्यूल की आधुनिक तकनीक से यह प्रोजेक्ट कम से कम 15% अधिक प्रभावशाली बनता है

Neemuchprimetimes · 1 week ago · 0 · 152 · 1 minute read

नीमच, 24 जुलाई 2025

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (TPREL), जो टाटा पावर कंपनी लिमिटेड की एक सहायक कंपनी है और भारत के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है, ने मध्य प्रदेश के नीमच में 431 मेगावाट पीक क्षमता की सौर परियोजना विकसित की है। यह परियोजना देश की हरित ऊर्जा क्षमता को बढ़ावा देने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में एक अहम कदम है।

इस परियोजना की खास बात यह है कि इसमें सिंगल-एक्सिस ट्रैकर और बाई-फेशियल ग्लास-टू-ग्लास सोलर मॉड्यूल का इस्तेमाल किया गया है, जो सूरज की दिशा को ट्रैक करते हैं और ज़मीन से वापस आने वाली रोशनी को भी उपयोग में लेते हैं। इससे बिजली उत्पादन में कम से कम 15% की बढ़ोतरी होती है। यह प्रोजेक्ट 'सॉल्यूशन्स फॉर पावर प्रोड्यूसर' केटेगरी में शामिल था और इसे 17 महीनों के भीतर पूरा कर लिया गया।

TATA POWER RENEWABLE ENERGY

Publication	Headline
Voice of MP	नीमच में टाटा पावर रिन्यूएबल्स का 431 मेगावाट पीक सोलर प्लांट शुरू, हर साल 7.8 लाख टन CO_2 उत्सर्जन में होगी कटौती, पढे अब्दुल अली ईरानी की खबर

खबर सबसे पहले
वॉईस ऑफ MP
शावजी नेटवर्क प्रायवेट लिमिटेड
(पंजीयन-CIN: U64100MP2020PTC053610)

BREAKING NEWS वॉइस ऑफ़ एमपी न्यूज़ चैनल में विज्ञापन देने के..
वॉइस ऑफ़ एमपी न्यूज़ चैनल में विज्ञापन के लिए..

July 25, 2025, 1:59 pm

BIG NEWS : नीमच में टाटा पावर रिन्यूएबल्स का 431 मेगावाट पीक सोलर प्लांट शुरू, हर साल 7.8 लाख टन CO_2 उत्सर्जन में होगी कटौती, पढ़े अब्दुल अली ईरानी की खबर

Share On:-

नीमच। टाटा पावर रिन्यूएबल्स एनर्जी लिमिटेड (TPREL) ने नीमच जिले के सिंगोली के पास बड़ी में 431 मेगावाट पीक (MWp) का अत्याधुनिक सौर ऊर्जा संयंत्र सफलतापूर्वक विकसित किया है। यह प्लांट इंदौर शहर की लगभग 95% बिजली आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है और हर वर्ष लगभग 7.8 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) उत्सर्जन में कमी लाकर भारत के हरित ऊर्जा लक्ष्यों को मजबूती प्रदान करेगा।

यह परियोजना 2,000 एकड़ में फैली है और इसमें 7,65,408 बाईफेशियल ग्लास-टू-ग्लास सोलर पैनल लगाए गए हैं। प्लांट में सिंगल-एक्सिस ट्रैकर्स तकनीक का उपयोग किया गया है, जो सूर्य की दिशा के अनुसार सोलर पैनल को घुमाकर बिजली उत्पादन को लगभग 15% तक बढ़ाता है।

TPREL ने बताया कि यह प्लांट पश्चिम मध्य रेलवे और मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (MPPMCL) को स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति करता है और भारत के 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता के लक्ष्य को सहयोग देता है।

कंपनी के अधिकारियों ने गुरूवार को पत्रकारों को प्लांट का दौरा कराया और इसकी तकनीकी विशेषताओं की जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि टाटा पावर सीएसआर गतिविधियों के तहत नीमच जिले में उद्योगिनी प्रोजेक्ट, 'लैब ऑन बाइक', स्वास्थ्य जागरूकता अभियान, हेल्थ कैंप्स, शैक्षणिक सहयोग और पौधारोपण जैसे कार्यक्रम संचालित कर रही है।

खरगोन जिले में यूरिया खाद की कमी से किसानों का फूटा गुस्सा, बिस्टान नाके पर

KHABAR : 7 अगस्त को समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी होगी खत्म, 992 करोड़ की खरीदी; किसानों को 540 करोड़ का

सावन के अंतिम सोमवार पर मंदसौर के पिपलियामंडी में भव्य कावड़ यात्रा का आयोजन, श्री

KHABAR : विश्वमंगल्य सभा की फिर अध्यक्ष बनीं अनुराधा महाराज, शैलजा यादव उपाध्यक्ष बनीं, एक

KHABAR : अस्पताल शिफ्टिंग का विरोध, प्रशासन को दी चेतावनी, कहा- 6 किमी दूर नहीं हमें नगर के बीच

छतरपुर के बिलहरी गांव में मंदिर में देवी की प्रतिमा खंडित, ग्रामीणों ने विरोध कर

KHABAR : सफलता की कहानी- पंख अभियान नीमच के तहत रोहित को मिला

TATA POWER RENEWABLE ENERGY

Publication	Headline
Voice of MP (Youtube)	हरित क्रांति की ओर टाटा पावर- नीमच मे अत्याधुनिक मेगावाट पीक सोलर प्लांट की शुरूआत,उत्सर्जन मे कटौती